(d) if so, what action is being taken to fill-up the backlog?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) The number of foremen promoted is 7 and *ihe* number of Senior Foremen promoted is 5.

(b) None of them is SC|ST employee.

(c) and (d) There is a shortfall of two SC and one ST candidates in the category of Foremen. As and when SC/ST employees are available, in the zone of consideration, the vacancies will be filled.

Reservation for SC/ST in AI and IA

4149. SHRI AJIT P. K. JOGI: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased! to state:

(a) the total number of agreements signed by Air India and In-dian Airlines managements with their respective employees unions with details thereof;

(b) whether there is any such ag-eement which superceeds the exist-ng provisions of Reservation policy or the SC/ST stipulated in Broch-are on Reservation for SC|ST;

(c) if so, the details thereof; and

(d) how many reserved! vacancies tave been dereserved consequent to uch agreement?

THE MINISTER OF CIVIL AVIA-TON AND TOURISM (SHRI MAD-HAVRAO SCINDIA): (a) to (d) the information is being collected and will be laid on the Table of the louse.

देश में उपयोग में नहीं लाये जा रहे हवाई अड्डे

4150. **चौधरी हरि सिंह :**
डा० अबरार अहमद :
श्री कृष्ण कुमार बिरला :

क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(क) प्रत्येक राज्य में कितने हवाई अड्डों को कितने समय से उपयोग में नहीं लाया जा रहा है ;

(ख) इन हवाई अड्डों का उपयोग न किए जाने के क्या कारण हैं ;

(ग) सरकार इन हवाई अड्डों के रख-रखाव पर कितनी धनराशि व्यय करती है ; और

(घ) इन हवाई अड्डों का उपयोग किए जाने संबंधी योजना का ब्यौरा क्या है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) इस समय प्रयोग में नहीं लाये जा रहे हवाई अड्डों के ब्यौरे दर्शाने वाला विवरण संलग्न है । **(नीचे देखिए)**

(ख) अनुसूचित प्रचालकों से मांग न होने के कारण अनुबंध में सूचीबद्ध हवाई अड्डे बिना किसी प्रयोग के पड़े हुए हैं ।

(ग) प्रति वर्ष 80.00 लाख रुपए ।

(घ) हवाई टैक्सी परिचालन के विस्तार को ध्यान में रखते हुए कुछ हवाई अड्डों पर कार्य पुनः प्रारंभ हो जाएगा । योजना में हवाई क्षेत्रों को अस्थायी रूप से राज्य सरकार को हस्तांतरित करने तथा फालतू भूमि का वाणिज्यिक क्रियाकलापों के लिए प्रयोग में लाना आदि शामिल हैं ।